म्यांमार के खनिज

म्यांमार खनिज पदार्थ के भण्डारों के दृष्टिकोण से एक धनी देश है। लेकिन आधुनिक उद्योग - धन्धों के विकास न होने के कारण एवं अधिकांश जनसंख्या का कृषि कार्य में लगे होने के कारण यहाँ खनिज पदार्थ बहुत कम मात्रा में निकाले जाते हैं। म्यांमार में कुछ खनिज के भण्डार प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। जिसकारण यहाँ खनिजों का उत्पादन भी किया जाता है। यहाँ सबसे महत्वपूर्ण खनिज के रूप में खनिज तेल है। इसके अलावा सोना, जस्ता, चांदी, टिन, टंगस्टन आदि खनिज पाया जाता है। म्यांमार में बहुमूल्य पत्थर तथा रत्न भी प्राप्ति होती है। तथा कुछ मात्रा में कोयला तथा लोहा भी पाया जाता है।

तांबा :- म्यांमार में तांबा के अयस्क के उत्पादन में लगातार वृद्धि हो रही है। म्यांमार के प्रमुख तांबा उत्पादक क्षेत्रों में मोनीवा क्षेत्र में कीसिनतांग, लेटपाडोंग, सेबेटोंग स्थान है।

निकेल :- म्यांमार में निकेल की प्राप्ति उत्तरी थेबीकिन क्षेत्र में टगांग-टांग तथा उत्तरी चिन

राज्य के एम वी वेग खान क्षेत्रो से होती है।
जस्ता तथा सीसा :- म्यांमार मे जस्ता तथा सीसा बाडविन एव लोंग केंगु क्षेत्र से निकाला जाता है। म्यांमार मे ज्वालामुखी चट्टानो मे भी जस्ता तथा सीसा पाया जाता है।
बहुमूल्य रत्न :- म्यांमार मे अनेक प्रकार के रत्न निकाले जाते है। इसमे लाल-मणि, जेड, मितकाना हीरा, मोगोक हीरा, इत्यादि है। म्यांमार मे लालमणी का उत्पादन मांडले के उत्तर-पूरबी भाग से होता है। म्यांमार के मितकाना क्षेत्र से हीरा की प्राप्ति होती है तथा यही पर सोने के भंडार भी पाया जाता है। म्यांमार मे अधिकांश सोना नदियों के रेत से प्राप्त होता है।
टंगस्टन :- म्यांमार मे टंगस्टन का उत्पादन तेनासेरिम पर्वत क्षेत्र से होता है। म्यांमार में लोहा तथा कोयला की कमी है यहां लोहा म्यांमार के दक्षिणी भाग पांगदेट की खानो से निकाला जाता है तथा कोयला चिन्दविन घाटी से तथा शान पठार पर निकाला जाता है।
खनिज तेल :- म्यांमार खनिज तेल के उत्पादन मे एशिया मे अच्छा स्थान रखता है। यहाँ म्यांमार तेल कंपनी खनिज तेल का उत्पादन करती है। इस कंपनी की स्थापना 1986 में अंग्रेजो के द्वारा की गई थी। यहा तेल के भण्डार इरावदी नदी घाटी मे पाया जाता है

म्यांमार में खनिज तेल चिन्दविन नदी की ऊपरी घाटी से लेकर मनांगयांग तक फैला है। म्यांमार के प्रमुख तेल कुँए इण्डाव, लेनिना, मनांगयांग, चौक, तथा सतनाम इत्यादि है। म्यांमार के रंगून, चौक तथा सिरियाम में तेल शोधन करने के कारखाने है। म्यांमार में सर्वेक्षण न हो पाने के कारण यहाँ अनेक खनिज क्षेत्रों का पता नहीं लगाया जा सका है। ऐसे अनुमान है कि अराकानयोमा तट पर तेल के भंडार है।

प्राकृतिक गैस :- म्यांमार में प्राकृतिक गैस का कुल अनुमानित भंडार 500 बिलियन घन मीटर है। म्यांमार में प्राकृतिक गैस प्राप्ति खवाइन बेसिन, मदाना तथा पेतागन बेसिन से होती है।

टिन :- खनिज तेल के बाद म्यांमार का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण खनिज टिन है। म्यांमार में टिन के भंडार टेनासेरिम तथा विक्टोरिया पाइण्ट के मध्य तथा उत्तरी भागों में पाए जाते है। यहाँ शान के पठार के मौची क्षेत्र में भी टिन की खाने पाई जाती है।

वुलफ्राम :- म्यांमार में इस प्रकार के खनिज का विस्तार टिन के भंडारो के

के साथ-साथ ही हुआ है अर्थात दोनों खनिज यहाँ साथ-2 पाए जाते हैं कुछ क्षेत्रों में तो वुलफ्राम टिन के साथ ही मिलता है म्यांमार में वुलफ्राम के मुख्य क्षेत्र टेवाय तथा मुरगई है। म्यांमार संसार का 10% वुलफ्राम खनिज उत्पन्न करता है

चांदी :- म्यांमार में चांदी प्रचुर मात्रा में निकाली जाती है यहाँ चांदी का सबसे भंडार शान के पठार के बाडविन क्षेत्र में है यहाँ छोटे क्षेत्र से भी चांदी का उत्पादन किया जाता है म्यांमार में चांदी का उत्पादन ज्वालामुखी चट्टानों से किया जाता है

म्यांमार की खनिज